LOK SABHA

Tuesday May 15 1973/Vaisakha 25, 1895 (Saka)

The Lok Sabha met at eleven of the Clock

[MR. SPEAKER *in the Chair*

ORAL ANSWER TO QUESTION

गंडक नदी पर पूर्वोत्तर रेलवे के छितौनी-बगहा पुल का निर्माण

SNQ 8 **श्री विभूति मिश्र** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या गोरखपुर में हाल ही में हुई एक सार्वजनिक सभा में यह घोषणा की गई थी कि गंडक नदी पर पूर्वोत्तर रेलवे के छितौनी-बगहा पुल का जो 1922 में बह गया था पुनर्निर्माण किया जाएगा,

(ख) यदि हां तो निर्माण कार्य कब से आरम्भ होने जा रहा है और

(ग) उससे बिहार और उत्तर प्रदेश की जनता कहां तक लाभान्वित होगी ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI L N MISHRA) (a) to (c) On the occassion of the inauguration of the Barabanki Samastipur M G to B G conversion project at Gorakhpur on 21/4 1973 and also at the meeting of the Divisional Development Council of Eastern U P Districts presided over by Prime Minister on the same date, representations were made for restoring the old bridge and link between Bagaha and Chitauni In principle it has been decided to construct rail bridge in this area to restore rail communication The question of carrying out a final location engineering-*cum* traffic survey for this would have to be taken up

श्री विभूति मिश्र अध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री और रेल मंत्री का मैं हार्दिक धन्यवाद देता हूं और इस बात को जानता भी उनको धन्यवाद दे रही है। इस पुल का अंग्रेजों ने बनाया था अपनी गर्ज से आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से और फिर गांधी जी के आंदोलन के बाद यह पुल बह गया तो अंग्रेजों ने देखा हमको नुकसान हो रहा है इसलिए उसको नहीं बनाया। इसके आसपास चोरा-चोरी का कांड हुआ था जिसमें गांधी जी का आंदोलन बन्द करना पड़ा। अंग्रेजों ने समझा गांधी जी के चम्पारन कांड के कारण से इधर उधर के किसान अंग्रेजों के खिलाफ थे। अब मैं जानना चाहता हूं रेल मंत्री जी ने यह मान लिया है कि यह पुल होगा तो मैं उनका वचनबद्ध कराना चाहता हूं वह वचन दें कि कब तक इसका सर्वे हो कब से काम प्रारम्भ हो जायेगा?

श्री एल० एन० मिश्र धन्यवाद तो प्रधान मंत्री को जाना चाहिए उनकी आज्ञा से बनना है हम तो नाचीज हैं।

जहां तक इस पुल के बनने का प्रश्न है वह बनेगा जरूर इसका सर्वे यथाशीघ्र समाप्त करने वाले हैं और इसका बनाया क्योंकि इसकी बहुत उपयोगिता है। उत्तर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के आर्थिक परिवर्तन में यह एक क्रांतिकारी कदम होगा।

श्री विभूति मिश्र मैं जानना चाहता हूं क्या यह सही है कि पंजाब, उत्तर प्रदेश बिहार और आसाम का लिंक होने में यदि यह पुल बन जायेगा तो सौ मील की दूरी कम हो जायगी और उससे बहुत सा सरकार का और रेलवे का खर्चा बचेगा? इसलिए मैं जानना चाहता हूं कितने महीने में इसका सर्वे हो जायगा और कब से काम प्रारम्भ हो जायेगा निश्चित तिथि मंत्री जी बता दें।

श्री एल० एन० मिश्र जहां तक दूरी कम होने की बात है, उससे भी ज्यादा दूरी कम हो जायेगी। 262 मील गोरखपुर से रक्सौल है वह 120

किलोमीटर रह जायेगा और हाजीपुर 462 से 162 पर आ जायेगा। इसकी उपयोगिता बहुत है लेकिन मैं यह नहीं कह सकता कि दो या तीन महीने में, हां यथाशीघ्र इसका सर्वे कराकर कार्य प्रारम्भ करायेंगे।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी मैं इस पुल के निर्माण का निर्णय करने के लिए बधाई देना चाहता हूं लेकिन मैं जानना चाहता हूं इस पुल के निर्माण के निर्णय की घोषणा एक राजनीतिक दल द्वारा बुलाई गई सभा से क्यों की गई, संसद में रेलवे बजट पेश करते समय इसका एलान क्यों नहीं किया गया? मंत्री महोदय यदि इसका स्पष्टीकरण कर देंगे तो मुझे संतोष हो जायेगा।

अध्यक्ष महोदय इसमें प्रश्न क्या है?

श्री एल० एन० मिश्र मैं साफ करता हूं, वाजपेयी जी जरा सुनें। इस पुल को बनाने की जो घोषणा हुई वह उस आम सभा में हुई जोकि समस्तीपुर से बाराबकी का मीटरगेज से ब्राडगेज करने के उद्देश्य से हुई थी। उसमें इसकी घोषणा की गई। राजनीतिक दल का जो सम्मेलन था वहां उसकी चर्चा हुई, आम लोगों ने इसकी मांग की लेकिन सरकार की ओर से, जो सरकारी फंक्शन था उसी में घोषणा की गई।

श्री नरसिंह नारायण पांडे : क्या मंत्री जी इस बात की जांच करेंगे कि जो सर्वे कमेटी इनकी बनी हुई है, जो सर्वेक्षण कर रही है उसके पास टेक्निकल एक्सपर्टस की कमी है और यदि कमी है तो उसको मजबूत करने के लिए एक्सपर्टस को बढ़ायेंगे ताकि काम जल्दी से जल्दी पूरा हो सके? वहां पर चीफ इंजीनियर और जनरल मैनेजर सिर्फ एक बार गए हैं और टेक्निकल एक्सपर्टस कम होने की वजह से काम में विलम्ब हो सकता है इसलिए क्या मंत्री जी इस पर ध्यान देंगे और विचार करेंगे?

श्री एल० एन० मिश्र मेरे खयाल से तो कमी नहीं है। तीन रोज पहले जनरल मैनेजर यहां आये थे उनसे मेरी बातचीत हुई और उन्होंने कहा काफी स्टाफ है और तेजी से इसका सर्वे करवा रहे हैं।

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, पुल बनाने का जो निर्णय किया गया है वह स्वागत योग्य है लेकिन इनकी घोषणाओं में और उसके कार्यान्वयन में बड़ा अन्तर रहता है। इसलिए मैं जानना चाहता हूं कितनी अवधि में आप इस पुल के कार्य को सम्पन्न करेंगे और साथ साथ इस बात का भी खुलासा करें कि किसी समय रेल के विस्तार के बारे में या पुल बनाने के बारे में घोषणायें करनी हों तो क्या वे मतदाताओं को बरगलाने के लिए करनी चाहिए? मेरे चुनाव में मंत्री जी ने कहा कि मन्दार रेलवे का विस्तार करेंगे (**व्यवधान**) निश्चत के तौर पर मतदाताओं से कहा गया कि मन्दार रलवे का विस्तार करेंगे (**व्यवधान**) मैंने उनको पत्र लिखा है। अभी तक इसका जवाब वह नहीं दे रहे हैं कि मन्दार रेलवे का काम वह कब करेंगे। मैं आप का निर्णय चाहता हूं कि जब संसद् का सत्र चल रहा हो तो क्या इस तरह का . . . (**व्यवधान**) अगर यह लोग बोलने नहीं देंगे तो कैसे चलेगा? (**व्यवधान**) यह क्या उद्दण्डता है? वह बोलेंगे तो दुरुपयोग नहीं है और मैं बोलूंगा तो दुरुपयोग है? मैं इस के ऊपर आप का निर्णय चाहता हूं कि जब संसद् का सत्र चल रहा हो तो किसी भी पुल के बनाने की घोषणा या रेल का विस्तार करने की घोषणा संसद् में होनी चाहिये या चुनाव क्षेत्र अथवा दलीय सम्मेलनों में होनी चाहिये?

अध्यक्ष महोदय इस पर मेरा निर्णय क्या होगा? यह तो आप इलेक्शन कमिश्नर से पूछिये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : यह प्रोप्रायटी का सवाल है कि जब संसद् की बैठक चल रही हो तो पब्लिक में जा कर इस तरह की घोषणा वह करते हैं। क्या कांग्रेस पार्टी पुल बनवाना चाहती है या क्या जनता की इजाजत से पुल बन रहा है?

अध्यक्ष महोदय यह गवर्नमेंट करती है और गवर्नमेंट की तरफ से है।

श्री मधु लिमये मैं पुल जरूर चाहता हूं लेकिन इसकी घोषणा बाकायदा संसद् में होनी चाहिये।

श्री भागवत झा आजाद : जब मंत्री कहीं जाते हैं तो यह उनका अधिकार है कि वह इस प्रश्न के ऊपर अपनी राय दें या आश्वासन दें। हम भी जनता के प्रतिनिधि हैं। हमने जो कहा, ठीक कहा और उन्होंने ठीक जवाब दिया। वह माननीय सदस्य भी अपने क्षेत्र में जा कर कहें। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आज सुबह आते ही आप लोगों ने शुरू कर दिया। सारा दिन चलना है। शुरू भी ऐसे ही किया और खत्म भी ऐसे करके जायेंगे तो कैसे काम चलेगा? जाते वक्त तो शांति से रहें।

AN HON. MEMBER : What is the ruling?

MR. SPEAKER : If it is a Congressman's announcement, then, of course, it is a party matter. If it is a Government announcement, there is no ruling required.

श्री मधु लिमये : जब पार्लियामेंट का अधिवेशन चल रहा हो ?

MR. SPEAKER: If the Minister has got the right of announcing a decision, what can I do? Should I tell him, "Do not do it?" Should I ask the Minister or the Government not to do it? Please do not raise such things.

श्री मधु लिमये : यहां कहा जाये।

अध्यक्ष महोदय : हमारे यहां पंजाब में एक मुहावरा है कि आप सौतों की तरह लड़ रहे हैं। उसी तरह से यहां हो, यह क्या बात है? क्या करते हैं आप?

SHRI DINEN BHATTACHARYYA : Sir, you yourselves, I know, definitely gave a ruling that on important declarations and issues, they should not announce them elsewhere; they must first be announced in the House when the House is sitting.

MR. SPEAKER : This is not a policy matter.

SHRI DINEN BHATTACHARYYA : This is an important matter. You said that declarations like that must be announced in the House if the House is sitting.

MR. SPEAKER : The ruling in this House was that on broad policy matters, if the House is sitting, they should be announced in the House. The day-to-day constructions,—there are hundreds of bridges like that—are not covered by this ruling.

SHRI H. M. PATEL : Sir, may I seek a clarification? May I know whether this decision was taken that this bridge was to be constructed? If that decision was taken, then this is merely a confirmation of that decision being announced there. But here is a matter of great importance. Even Shri Bibhuti Mishra said that this will mean considerable shortening of the distances in respect of traffic between several States. (*Interruption*)

MR. SPEAKER : Order please.

SHRI H. M. PATEL : Was this item included in the railway budget, that this is one of the constructions he was going to take on hand?

MR. SPEAKER : I am passing on to the next item.

11.13 hrs.

QUESTIONS OF PRIVILEGE

(i) ARREST OF SHRI JAMBUWANT DHOTE, M.P.

SHRI BIRENDER SINGH RAO (Mahendragarh) : Sir, Mr. Dhot, a member of this House, has been arrested. It is a question of privilege of the House. I wanted information but it has not been given. The member was touring his constituency when arrested. He has been prevented from coming to the House to represent his constituents' grievances. It would be a dangerous